साप्ताहिक

पंजियन क्रमांक – mphin / 2018/ 76962

नीमच हेडलाइन्स

संस्थापक – स्व॰ इन्द्रदेव जी जाजपुरा संपादक अविनाश जाजपुरा

वर्ष -03 | अंक - 21 | बुधवार 23 / 09 / 2020 | पृष्ठ - 4 | मूल्य - 5 रूपए

covid-19 update

NMH मे सन्क्रमित	MP मे सन्क्रमित	IND मे सन्क्रमित	WRD मे सन्क्रमित
1857	108167	5562663	31352177

कोरोना पीड़ितों के उपचार में लगे डॉक्टर दंपती, बेटे को दूर से कह देते हैं-बाय

कोरोना पीड़ितों के सतत इलाज में जुटे हैं डॉ. सारिका व डॉ. सुधांशु शर्मा। आठ साल के लाड़ले से पांच माह से दूर हैं दंपती। श्हमारा आठ साल का बेटा है, पांच माह से घर पर अकेला रहता है। रात को घर लौटने पर भी उसे खिला नहीं सकते, गोद में नहीं उठा सकते। पास आने को मचले तो दूर कर देना पड़ता है। रोता है तो दिल पर पत्थर रखकर उसे दूर से ही बाय कहकर हम लोग निकल पड़ते हैं।श यह पीड़ा है रतलाम के सरकारी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर दंपती डॉ. सारिका और सुधांशु शर्मा की, लेकिन इससे ऊपर उन्होंने परपीड़ा को रखा। कोरोना संक्रमणकाल में दोनों की ड्यूटी लगी। चाहते तो बच्चा छोटा होने का हवाला देकर इससे किनारा कर सकते थे, लेकिन उन्होंने बेटे ऐश्वर्य वर्धन को अकेले घर पर रहना सिखाया। पेशे से दंत चिकित्सक और वर्तमान में फीवर क्लीनिक व सैंपलिंग में जुटी डॉ. सारिका कहती हैं, कोविड के शुरुआती दौर में तो हमें होटल में आइसोलेट रहना पड़ा। उस समय रात में आकर घर के बाहर से उसे देख जाते थे। यह सिलसिला करीब दस दिन तक चलता रहा। इस दौरान बेटा घर पर अकेला ही रहा। उसके खाने व अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति बाहर से रहकर ही की थी। अब हम घर तो लौटते हैं, लेकिन ऐश्वर्य को अपने पास नहीं बुला पाते हैं। उसके लिए खाना, मनोरंजन और पढ़ाई के इंतजाम कर हम रोज सुबह निकल जाते हैं। लाड़ले को अपने से दूर रखने पर तकलीफ तो होती है, लेकिन राष्ट्र सेवा का इससे बड़ा मौका नहीं मिल सकता। आशा करती हूं हमारी इस सेवा की कद्र समझकर कल हमारा बेटा भी हमारे जैसा ही बनेगा। सीसीटीवी कैमरे को मोबाइल से जोड़कर रखते हैं निगरानी सीसीटीवी कैमरा लगाकर उसे मोबाइल से जोड़ लिया है। इससे वे ऐश्वर्य पर नजर रखते हैं और उसे भी इसे ऑपरेट करना सिखा दिया है। इसके जरिए वे अस्पताल में रहने के दौरान भी लगातार उससे बातें करते रहते हैं ताकि उसे डर न लगे।दिल्ली में डे बोर्डिंग में रखा था डॉ. सारिका बताती हैं कि हमने दिल्ली में रहने के दौरान ऐश्वर्य को डे बोर्डिंग में रखा था।

अधिक खबरों के लिए प्ले स्टोर से हमारा एप्प डॉउनलोड करे ओर पाए क्षैत्र ,देश व दुनिया की हर खबर सबसे पहले , सबसे तेज।

नीमच हेडलाइंस

सम्पर्क – 9893796737

कोरोना जंग लडते हुए माधव मारू ने की जनता से विन्रम अपिल !

विपक्ष के पास नही कोइ मुद्दा भाजपा अंतिम पंक्त के व्यक्ति के भी साथ।

मनासा। क्षेत्र के लोकप्रिय ऊर्जावान विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने एक मुलाकात के दौरान कहा के देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के किसान अन्नदाताओं के पक्ष में कल एक और किसान हितेषी निर्णय लिया जिसमे रबी की विभिन्न फसलो का समर्थन मूल्य बढ़ाया गया गेंहू का समर्थन मूल्य पचास रुपये प्रति क्विंटल बड़ाया अब गेहू एक हजार नासौ पचहत्तर रुपये वही चने का समर्थन मूल्य दो सौ पच्चीस रुपय बढ़ाये जो अब चना समर्थन पांच हजार एक सौ रुपयहो गया जौ पर पचहत्तर रुपये बढ़ाये जौ का समर्थन सौलह सौ रुपये हो गया मसूर क समर्थन मूल्य पर तीन सौ रुपय बढ़ाये जो अब पांचहजार एक सौ रुपये क्विंटल तो वही सरसो एवं रेपसीड का समर्थन मूल्य पर दो सौ पच्चीस रुपये बढ़ाये जो अब चार हजार छह सौ पचास रुपये घोषित किया है।क्षेत्र के ऊर्जावान लोकप्रिय विधायक श्री अनिरुद्ध माधव मारू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों की रबी की फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाने पर धन्यवाद ज्ञापित करते कहा की भाजपा हमेशा पं दीनदयाल जी उपाध्याय व डॉ श्यामाप्रसाद जी मुखर्जी द्वारा बनाये सिद्धान्तों पर चलती रही जिसमे समाज के अंतिम पंक्ति के परिवार का आर्थिक सामाजिक विकास वही देश के अन्नदाता किसानों का आर्थिक और सामाजिक विकास हों जिससे किसान मजदूर उन्नत और आर्थिक रूप से सदृढ़ होगा तो देश का भी विकास होगा। क्षेत्र के ऊर्जावान विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने सभी किसान भाइयो से अपील करते कहा के विपक्षीगणो के पास कोई भी मुद्दा नही है देश की जनता ने उन्हें नकार दिया है फिर भी अर्नगर्ल आरोप प्रत्यारोप लगाकर देश की सर्वोच्च संसद में मर्यादाविहीन हरकते कर रहे है मेरा सभी किसान भाइयो से आग्रह है के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आपने विश्वास कर देश की बागडोर सौपी है वो आपके विश्वास पर खरा उतरेंगे यही विश्वास आप बनाये रखे। ज्ञातव्य हो क्षेत्र के विधायक श्री मारू ने लॉक डाउन के दौरान सामाजिक संघठनो व दानदाताओ व सरकार के सहयोग से क्षेत्र की जरूरतमंद जनता को राशन आदि जरूरत के समान उपलब्ध कराए थे।विधायक श्री मारू स्वयं कोरोना संक्रमण से संक्रमित होकर अपना इलाज करा रहे है।

कोरोना में रखे अपना ध्यान !

विधायक मारू ने क्षेत्र की जनता से आग्रह करते आगे कहा के कोरोना संक्रमण देश प्रदेश के साथ मनासा विधानसभा में भी काफी फैल रहा है अपना व अपने परिवार की सुरक्षा के लिये सोशल डिस्टेंसिग व मास्क उपयोग करने का स्वयं पालन करे परिवारजनों व अपने मिलने वाले सभी से इसका आग्रह करे जिससे इस संक्रमण से अपना व अपने परिवार की सुरक्षा में अपनी भागीदारी हम निर्धारित कर सके विधायक श्री मारू ने कहा के क्षेत्र में कई नागरिक इस संक्रमित बीमारी से अपनी जान गवा चुके है कृपया अपना व अपने परिवार की सुरक्षा के लिये निर्धारित नियमो का पालन करे ज्यादा से ज्यादा घर पर रहे बिना काम के घर से नही निकले घर से निकलकर जब वापस घर आये जो सेनिटाइजर का प्रयोग कर ही घर मे प्रवेश करें जिससे इस संक्रमण से निपटा जा सके।

मनासा का स्टेडियम अपनी दुर्दशा पर बहा रहा आंसू, बना शराबियो का अड्डा

मनासा। शहर में ग्राम पंचायत सांडिया कुंडखेड़ा के अंतर्गत नीमच रोड पर मॉडल के स्कूल के पीछे बना ग्रामीण खेल मैदान स्टेडियम अब पूरी तरह शराबियों का अड्डा बन चुका है देर शाम होते ही यहां पर जाम छलकने लगते हैं नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए लगभग 80 लाख की लागत से बनाया गया 245 बाय 145 मीटर का स्टेडियम अब पूरी तरह नशेडीयो का अड्डा बन चुका है। ग्राउंड में बड़ी–बड़ी गाजर उगी हुई है इधर उधर शराब की फूटी बोतलें के कांच पड़े हुये है। मनासा का नाम गौरवान्वित करने वाला स्टेडियम अब अपना दर्द बयां कर रहा है पर जिम्मेदारों का इसकी ओर कोई ध्यान नही है। आम नागरिको ने प्रशासन से अपील करते हुए स्टेडीयम की सुरक्षा की मांग की है।

सम्पादकीय

शिवसेना की जागीर नही है मुबंई

शिवसेना को अब यह बताना ही होगा कि मुंबई उसकी मिल्कियत नहीं, क्योंकि लंबे अर्से से वह यही मुगालता पाले हुए है। देश में लोकतंत्र एवं विधि के शासन पर भरोसा करने वालों को शिवसेना के उन कुत्सित तौर–तरीकों की कड़ी निंदा करनी चाहिए, जिनके तहत पार्टी नेताओं ने न केवल कंगना रनोट पर अनाप–शनाप टिप्पणियां कीं, बल्कि मुंबई में उनकी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया। यह पूरे देश ने देखा कि कथित अनियमितताओं का नोटिस भेजकर किस तरह महज 24 घंटों में ही पाली हिल स्थित कंगना के दफ्तर को गिरवा दिया। इसके लिए हिमाचल से कंगना के मुंबई आगमन का इंतजार तक नहीं किया गया। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त अभिनेत्री को धमकाने वालों में राज्य के गृहमंत्री भी शामिल रहे। यह एक किस्म के गुंडाराज की ही निशानी है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कंगना का बचाव कर उचित ही किया। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के रवैये की निंदा करते हुए कंगना को बदले की राजनीति का शिकार बताया। ठाकुर ने केंद्र से कंगना के लिए वाई श्रेणी सुरक्षा देने का अनुरोध किया, ताकि मुंबई में उनकी हिफाजत हो सके, जिसे केंद्र ने स्वीकार भी कर लिया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को दीवार पर लिखी इबारत पढ़ लेनी चाहिए कि दूसरे राज्यों के लोगों के साथ शिवसैनिकों का ऐसा व्यवहार देश की जनता को बर्दाश्त नहीं होगा। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बीएमसी को कंगना का दफ्तर गिराने की कार्रवाई पर एकदम सही लताड़ लगाई। अदालत ने कहा कि इसमें बदले की बू आती है। बीएमसी जिसे अवैध निर्माण बता रही, वह रातोंरात नहीं हुआ। हालांकि निगम की नींद अचानक ही टूटी। उसने कंगना को तब नोटिस जारी किया, जब वह शहर से बाहर थीं और नोटिस के महज 24 घंटों के भीतर ही तोड़फोड़ की कार्रवाई भी कर दी गई। यह बीएमसी के दुर्भावनापूर्ण रवैये की ओर संकेत करता है। अदालत ने इसका भी संज्ञान लिया कि बीएमसी के वकील समय पर नहीं पहुंचे और जब बीएमसी आयुक्त से संपर्क का प्रयास किया गया तो उनका फोन बंद मिला। इस बीच तोड़फोड़ जारी रही। अदालत ने इस पर हैरानी जताई कि क्या बीएमसी अन्य अवैध निर्माणों पर भी ऐसी तत्परता के साथ कार्रवाई करेगी? अपने आदेश में अदालत ने इसका संज्ञान लिया कि बीएमसी ने तोड़फोड़ को अंजाम देने से पहले याचिका पर सुनवाई में अड़ंगा लगाने के तमाम प्रयास किए। यह कार्यपालिका की उद्दंडता और न्यायपालिका के प्रति उसके अनादर को ही दर्शाता है। शिवसेना को यह बताना होगा कि मुंबई उसकी मिल्कियत नहीं, क्योंकि लंबे अर्से से वह यही मुगालता पाले हुए है। जब मराठी भाषा के आधार पर एक अलग राज्य के निर्माण की मुहिम चल रही थी तो तमाम मराठियों ने ही बंबई (मुंबई) को केंद्रशासित प्रदेश बनाने का सुझाव दिया था, क्योंकि यहां गुजराती और अन्य तबकों का भी ऊंचा दांव लगा हुआ था। तबसे शहर का जनसांख्यिकी स्वरूप कॉस्मोपॉलिटन बना हुआ है और शिवसेना द्वारा स्थानीय स्तर पर खूब जहर घोलने के बावजूद इसने अपना अंतरराष्ट्रीय स्वभाव नहीं गंवाया। बंबई के कॉस्मोपॉलिटन स्वरूप और अहम भौगोलिक स्थिति के चलते ही इसे केंद्रशासित इकाई बनाने की पुरजोर कोशिशें हुई थीं। गुजरात रिसर्च सोसायटी के प्रेसिडेंट ने भाषाई आधार पर राज्यों के गठन की संभावना तलाशने वाले आयोग के समक्ष प्रतिवेदन में कहा था कि मराठी भाषी राज्य हकीकत का रूप अवश्य ले, परंतु बंबई का प्रशासन केंद्र के हाथ में होना चाहिए। इस प्रतिवेदन में यह भी कहा गया था, शबंबई शहर, उसका बंदरगाह और उपनगरीय इलाकों को मिलाकर एक केंद्रशासित प्रदेश बनाया जाए। बंबई अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण वाला शहर है, जहां पूरे भारत के अलावा दूसरे देशों से भी लोग आकर अपना योगदान देते हैं। लिहाजा बंबई जैसे अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह की कमान उस राज्य को देना उचित नहीं होगा, जो संकीर्ण भाषाई आधार पर बना हो। ये बातें आज भी उतनी ही खरी हैं। मुंबई क्षुद्र एवं संकीर्ण राजनीति करने वाले शिवसेना नेताओं की बपौती नहीं।

कोरोनाकाल में सिर्फ डेढ़ घंटे चला मध्यप्रदेश विधानसभा का सत्र, पहली बार वुर्चअल तरीके से जुड़े विधायक

डेढ़ घंटे चले सत्र में बजट समेत आठ विधेयक हुए पास

भोपाल। कोरोनाकाल में बुलाया गया मध्यप्रदेश विधानसभा का एक दिन का सत्र महज डेढ़ घंटे की कार्यवाही के बाद अनिश्चिकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। सत्र की कार्यवाही शुरु होते ही सबसे पहले दिवंगत नेताओं को श्रदांजालि देते हुए दो मिनट का मौन रखकर कार्यवाही को पांच मिनट के लिए स्थगित किया गया।इसके बाद सदन की कार्यवाही शुरु होते हुए संसदीय कार्यमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने विनियोग विधेयक सदन में प्रस्तुत किया। कांग्रेस ने विधेयक पर चर्चा की मांग की लेकिन सरकार ने सर्वदलीय बैठक का हवाला देते हुए चर्चा से मना कर दिया। इसके बाद विनियोग विधेयक–2020 सदन ने पास कर दिया। इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री ने सात अन्य विधेयक सदन के पटल पर रखे और फिर सभी विधेयक तेजी से पास हो गए। ब डेढ़ घंटे चले सदन की कार्यवाही में विपक्ष की तरफ रोक–टोक भी जारी रही लेकिन सदन की कार्यवाही तेजी से चलती रही।सदन में विधेयक पारित होने के बाद नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ ने कोरोना का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री से स्थिति साफ करने की मांग की। इसके बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सदन में कोरोना को लेकर अपनी बात रखी। इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। कोरोनाकाल में बुलाए गए एक दिन के सत्र में सदन में कोविड–19 से जुड़े प्रोटोकाल का पालन किया गया। सदन में सत्ता और विपक्ष की तरफ से केवल चुनिंदा सदस्य ही मौजूद रहे। सदन में प्रवेश से पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत सभी मंत्री और सदस्यों की थर्मल स्क्रीनिंग की गई। सदन की कार्यवाही के दौरान सदस्य दूर–दूर और मास्क लगाकर बैठे नजर आए।

कोरोना से मरे व्यक्ति के शव को चूहों ने कुतरा, जांच के हुए आदेश , प्रायवेट अस्पताल की लापरवाही

इंदौर (मध्यप्रदेश)। कोविड–19 से 87 वर्षीय व्यक्ति की रविवार रात मौत के बाद उसके शव को यहां एक निजी अस्पताल में चूहों ने कुतर दिया। शव की दुर्गति का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन ने मजिस्ट्रेटी जांच का आदेश दिया है।इस वीडियो में सफेद कफन में पूरी तरह लिपटे शव के चेहरे और पैर की जगह पर घाव नजर आ रहे हैं। वीडियो में विलाप करते एक परिजन की आवाज सुनाई पड़ रही है, ये देखिए, हमें यूनिक हॉस्पिटल से जो लाश दी जा रही है, उसे चूहे ने कुतर दिया है।अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान नवीनचंद्र जैन (87) के रूप में हुई है।कोविड–19 की रोकथाम के लिए इंदौर जिले के नोडल अधिकारी अमित मालाकार ने बताया, कोविड–19 के इस मरीज ने यूनिक हॉस्पिटल में इलाज के दौरान रविवार रात दम तोड़ा। मरीज को उसकी गंभीर हालत के चलते ऑक्सीजन भी दी जा रही थी। उन्होंने बताया कि निजी अस्पताल की लापरवाही के चलते बुजुर्ग के शव को चूहों के कुतरनके आरोपों के मद्देजनर जिला प्रशासन ने मजिस्ट्रेटी जांच का आदेश दिया है। इस बीच, दिवंगत बुजुर्ग के पोते चेतन ने बताया कि उनके दादा नवीनचंद्र जैन के शरीर में ऑक्सीजन के स्तर में लगातार उतार–चढ़ाव के चलते उन्हें चार दिन पहले दशहरा मैदान के पास स्थित यूनिक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया, जांच में मेरे दादा कोरोनावायरस से संक्रमित पाए गए थे। हालांकि डॉक्टरों ने हमें भरोसा दिलाया था कि वे जल्द ठीक हो जाएंगे।जैन ने बताया, अस्पताल प्रबंधन ने मेरे दादा का शव सोमवार को सौंपा। हमने देखा कि चूहे उनके शव का कान और अंगूठा कुतर गए थे। मामले में निजी अस्पताल के प्रबंधन का पक्ष जानने का कई बार प्रयास किया गया। लेकिन अब तक उससे संपर्क नहीं हो सका है। बहरहाल, कोरोनावायरस संक्रमण काल के दौरान इंदौर के अस्पतालों में शवों की दुर्गति का यह कोई पहला मामला नहीं है। शहर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय के मुर्दाघर में एक वयस्क व्यक्ति की लावारिस लाश के सड़कर कंकाल में बदल जाने का मामला पांच दिन पहले सामने आया था। यह मामला शांत भी नहीं हुआ था कि इसी अस्पताल में मुर्दाघर में पांच महीने के बालक के शव को छह दिन तक गत्ते के बक्से में बंद कर रखे जाने के प्रकरण का खुलासा हुआ था। क्या कहा अस्पताल ने – दूसरी ओर, यूनिक अस्पताल के डायरेक्टर प्रमोद नीमा ने कहा कि कोरोना महामारी में सारे शहर के अस्पताल के नर्सिंग व मेडिकल स्टाफ व स्वास्थ्यकर्मी अपनी जान की बाजी लगाकर मरीजों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। यूनिक अस्पताल में नवीनचंद्र जैन (86) वर्षीय बुजुर्ग की मृत्यु कोरोना के कारण हो गई। नीमा ने कहा कि अथक प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया न जा सका। दरअसल, प्रोटेक्शन किट में पैक की गई बॉडी मरीज के रिश्तेदारों ने खोलकर से कुछ शरीर के द्रव्य पदार्थों के रिसाव को चूहों द्वारा डैमेज होना बताया। नगर निगम की गाड़ी को भी वापस भेजदिया और अस्पताल में अनर्गल आरोप लगाए।

कविता

ER. ऋचा उपाध्याय

लगता है उनसे मोहोब्बत होने लगी है।
सूरत ना देखी मैंने उनकी,
मूरत फिर भी उनकी बनने लगी है
दिन को चौन नहीं आता
और रातों की नींद उड़ने लगी है
लगता है उनसे मोहब्बत होने लगी है.....
उनकी यादों में, आँखों से नीर बहते है
अब तो आँखों को आँसू से मोहब्बत होने लगी है
कलम लिखना चाहती है,
केवल तुम्हारे बारे में
और बातें मेरी कविताओं में ढलने लगी है
लगता है उनसे मोहब्बत होने लगी है.....
उनकी यादों में, रातें गुजार देती हूँ
अपनी ही बातों में, खुद को सँवार देती हूँ
सुनसान रातों में, मेरी बातें गहराई में उतरने लगी हैं
अब तो मेरे दिल की तन्हाई मोहब्बत में बदलने लगी है
लगता है उनसे मोहब्बत होने लगी है.....
सुबह सूरज की रोशनी भी अधूरी सी लगती है
बाजार की भरी सड़के भी सुनी सी लगती है
उनके आने की ये आँखें राह देखने लगी हैं
अब तो माह भी सालों की राह देखने लगी है
लगता है उनसे मोहब्बत होने लगी है.....
उनके चेहरे की चमक सादी लगती है
चाँद पूरा निकलता है पर रोशनी आधी लगती है
बारिश की बूँदें भी अब मुझे भिगोने लगी हैं
अब तो दिल की धड़कन भी यादों को पिरोने लगी है
लगता है उनसे मोहब्बत होने लगी है.....
अभी भी घर की चौखट पर,
उनकी राह तके बैठी हूँ,
सुबह से शाम और शाम से सुबह उनकी राह में गुजार देती हूँ
कब आओगे ये मेरी तन्हाई कहने लगी है
तन्हाई की बातें दिल को झूठी लगने लगी हैं
लगता है आपसे मोहब्बत होने लगी है.....

फिल्मी दुनिया

कंगना का अनुराग पर हमला

इतने मंदबुद्धि कब से हो गए

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। कंगना रनोट की बॉलीवुड की हस्तियों से जुबानी जंग चल रही हैं। जया बच्चन पर निशाना साधने के बाद कंगना रनोट ने अब फिल्ममेकर अनुराग कश्यप पर पलटवार किया है। अनुराग कश्यप ने कंगना पर व्यंग करते हुए लिखा था कि वे सच्ची मणिकर्णिका हैं और उन्हें बॉर्डर पर जाकर चीन से लड़ना चाहिए।

इस पर कंगना ने पलटवार करते हुए कहा, मैं बॉर्डर पर जाती हूं आप अगले ओलिंपिक्स में चले जाना, देश को गोल्ड मेडल भी तो चाहिए। यह कोई बी ग्रेड फिल्म नहीं है जहां कलाकार कुछ भी बन जाता है। आप इतने मंदबुद्धि कब से हो गए, जब हमारी दोस्ती थी तब तो आप काफी चतुर थे। इससे पहले कंगना ने ट्वीट किया था, मैं एक क्षत्राणी हूं। सर कटा सकती हूं लेकिन सर झुका सकती नहीं। राष्ट्र के सम्मान के लिए हमेशा आवाज बुलंद करती रहूंगी। इस ट्वीट के बाद ही अनुराग कश्यप ने कंगना से बॉर्डर पर जाकर चीन से युद्ध करने का आग्रह किया था इससे पहले अनुराग कश्यप ने कहा था, श्कंगना मेरी अच्छी दोस्त हुआ करती थी। वे मेरी फिल्मों के लिए मुझे प्रोत्साहित किया करती थीं, लेकिन मैं इस नई कंगना को नहीं जानता हूं। सपा सांसद जया बच्चन ने कुछ दिनों पहले राज्यसभा में कंगना रनोट के उस बयान की आलोचना की थी जिसमें उन्होंने बॉलीवुड की तुलना गटर से की थी।

कंगना ने दिया 20 करोड के टेक्स का हवाल

कंगना और शिवसेना सहित महाराष्ट्र सरकार के बीच दिन ब दिन तनाव बढ़ता ही जा रहा है। दोनों तरफ से शब्दों के बाण चलाए जा रहे हैं। इस क्रम में आज कंगना ने एक नया बयान दिया है। एक टीवी चौनल को दिए इंटरव्यू में कंगना ने कहा है कि उन्हें जो शब्द कहा गया है, उसका मतलब उन्होंने शब्दकोष से ढूंढ निकाला है। इसका मतलब होता है मुफ्तखोर यानी जो मुफ्त का खाता है।

पुलिस को निशाना नहीं बनाया था, बल्कि वह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार के प्रशासन के बारे में बात कर रही थीं। कंगना ने कहा कि मैं हमेशा दान करती

कंगना ने कहा कि वह सबसे ज्यादा फीस पाने वाली अभिनेत्री हैं। वह 15–20 करोड़ का टैक्स महाराष्ट्र सरकार को भरती हैं। अपने स्टाफ और क्रू मेंबसके लिए रोजगार उपलब्ध कराती हैं। जब उनकी फिल्में रिलीज होती हैं, तो थिएटर में कई लोगों को रोजगार मिलता है। ऐसे में वह मुफ्तखोर नहीं हैं। शिवसेना नेता संजय राउत ने कंगना रनोट के लिए कुछ दिनों पहले हरामखोर लड़की शब्द का प्रयोग किया था। अब कंगना ने इसका जवाब देते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और संजय राउत से कुछ सवाल पूछे हैं। कंगना ने कहा कि मैं उद्धव ठाकरे से सवाल करना चाहती हूं कि उन्हें बाला साहेब ठाकरे की संपति, शक्ति, शिवसेना और लोगों की वफादारी विरासत में मिली है। फिर भी उन्होंने अपनी विचारधारा को पीछे छोड़ दिया है, तो मुफ्तखोर कौन है कंगना ने यह भी कहा कि उन्होंने मुंबई आई हूं।

देश और महाराष्ट्र राज्य की भलाई के लिए अपनी मेहनत से कमाए गए धन का उपयोग कर रही हूं। मैं मुफ्तखोर कैसे हो सकती हूं? शिवसेना को सोनिया सेना बताते हुए कंगना ने संजय राउत से पूछा कि अर्थव्यवस्था में संजय राउत का क्या योगदान है? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि संजय राउत को अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए। टूटे हुए ऑफिस की कुछ तस्वीरें साझा कंगना ने अपने टूटे हुए ऑफिस की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए इसे अपने सपनों का दुष्कर्म बताया। कंगना ने अपनी अलग–अलग पोस्ट में लिखा, एक उम्र बीत जाती है घर बनाने में और तुम आह भी नहीं करते बस्तियां जलाने में। यह देखो क्या से क्या कर दिया मेरे घर को। क्या यह दुष्कर्म नहीं? यह दुष्कर्म है–मेरे सपनों का, मेरे हौसलों का, मेरे आत्मसम्मान का और मेरे भविष्य का।

बिजनेस / टेक्नॉलॉजी

सोने के दाम में आई तेजी कोरोना की दुसरी लहर की आशंका

20 दिसम्बर। दुनिया के कुछ देशों में कोरोना वायरस की दूसरी लहर आने से फिर से लॉक डाउन की खबरें आ रही है जिससे कीमती धातु के भाव को समर्थन मि है। चांदी के भाव मे इ दौरान हल्की तेजी रही अ भाव 68,400 रुपये प्र किलो के करीब रहे। दुनि के कुछ देशों में कोरो वायरस की दूसरी लह आने से फिर से लॉ डाउन की खबरें आ रह

है जिससे कीमती धातुओं के भाव को समर्थन मिला है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद से सोने को समर्थन मिल रहा है। सप्ताह की शुरुआत में सोने में गिरावट दर्ज की गई, जिसकी मुख्य बजह मजबूत डॉलर ने सोने को दो सप्ताह के उच्च स्तर से वापस गिरा दिया। अमेरिकी बेरोजगारी के आकड़ों में सुधार से डॉलर को मजबूती मिली है। सप्ताह के अंत तक डॉलर मे ऊपरी स्तर पर दबाव बना और कीमती धातुओं के भाव मे तेजी का रुझान फिर से बना है। फेडरल रिजर्व ने घोषणा की है कि वह ब्याज दरों को शून्य के करीब रखेगा और जब तक मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत से अधिक नहीं हो जाती है ब्याज दरों को नहीं बढ़ाएगा। फेड के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने यह भी कहा कि आर्थिक सुधार के लिए आगे का रास्ता अभी भी बहुत अनिश्चित है और कुछ समय के लिए आर्थिक गतिविधि कम रहने की उम्मीद है। यह है अब संभावना रू इस सप्ताह अक्टूबर वायदा सोने के भाव सीमित दायरे में रह सकते हैं और इसमें 50,400 रुपये के निचले स्तर पर समर्थन तथा 52,300 रुपये के ऊपरी स्तर पर प्रतिरोध है। चांदी दिसंबर वायदा के भाव तेज रहने की संभावना है और इसमें 66,600 रुपये पर समर्थन और 70,000 रुपये पर प्रतिरोध है।

३० सितंबर से लागू होंगे क्रेडिट ओर डेबिट कार्ड के नए नियम

रजर्व बैंक ऑफ इंडिया क्रेडिट और डेबिट कार्ड नियमों में बदलाव किए हैं। त्ठप् द्वारा किए जाने वाले ये बदलाव 30 सितंबर से लागू होंगे। डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वालों के लिए परेशानी से बचने के लिए इन बदलावों के बारे में जानना जरूरी है। कोविड–19 महामारी की वजह से क्रेडिट

आवश्यकता नहीं है तो एटीम से पैसे निकालते वक्त और पीओएस टर्मिनल पर शॉपिंग के लिए विदेशी ट्रांजेक्शन की अनुमति नहीं दें। ग्राहकों को यह सुविधा प्रदान की गई हैं कि वे कभी भी अपने कार्ड पर विदेशी ट्रांजेक्शन की सुविधा ले सकते हैं।पने कार्ड पर कोई भी सर्विस एक्टिवेट करने या हटाने का अधिकार भी ग्राहक का

और डेबिट कार्ड धारकों को समय मिल गया, अन्यथा ये नियम तो पहले ही लागू होने वाले थे। ग्राहकों को अब अंतरराष्ट्रीय लेनदेन, ऑनलाइन लेनदेन और कॉन्टैक्टलेस कार्ड से लेनदेन के लिए प्राथमिकता दर्ज करानी होगी। ग्राहकों को इसके लिए आवेदन करने पर ही यह सर्विस मिलेगी। आरबीआई ने बैंकों से कहा कि क्रेडिट आरे डेबिट कार्ड जारी करते वक्त ग्राहकों को घरेलू ट्रांजेक्शन की अनुमति देनी चाहिए। इसके अनुसार, यदि

जे प्रदान किया गया है। ग्राहक दिन में किसी भी वक्त अपने ट्रांजेक्शन की लिमिट को बदल सकता है। अब आप मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम मशीन या आईवीआर के जरिए कभी भी अपने कार्ड की लिमिट बदल सकते हैं। ये नियम जनवरी में बना दिए गए थे, लेकिन लागू नहीं हो पाए थे। कोरोना महामारी की वजह से ये बदलाव अब 30 सितंबर से लागू होंगे।

वैश्विक महामारी पर अच्छी खबर के संकेत

शोधकर्ताओं ने कहा, हर्ड इम्युनिटी विकसित होने के बाद कम होगा प्रभाव, विशेषज्ञों ने कोरोना वायरस के कई दौर की आशंका भी जताई। कोरोना महामारी के खिलाफ पूरी दुनिया जंग लड़ रही है। भारत में भी रिकॉर्ड संख्या में मामले बढ़ रहे हैं, वहीं कोरोना का इलाज खोजने की कोशिश भी हो रही है। इस बीच, एक शोध रिपोर्ट में अच्छी खबर आई है। दुबई से वह दिन भी दूर नहीं है जब यह महज एक मौसमी बीमारी बनकर रह जाएगा। उस स्थिति में इसका इलाज भी आसान होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, एक दिन ऐसा आएगा जब लोगों में हर्ड इम्युनिटी विकसित हो जाएगी और कोरोना खांसी, सर्दी व अन्य मौसमी बीमारियां फैलाने वाले वायरस की तरह ही रह जाएगा। वहीं अभी लोगों को इससे सावधानी रहने और मास्क पहनने तथा अन्य नियमों का पालन करने की सलाह ही दी गई है। यह रिपोर्ट फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ मैग्जीन में छपी है। भारतीयों के लिए इसलिए है अच्छी खबर रिपोर्ट में भारत का भी खासतौर पर जिक्र किया गया है। लिखा गया है कि समशीतोष्ण जलवायु वाले क्षेत्रों में जब हर्ड इम्युनिटी विकसित हो जाएगी तब कोरोना वायरस का प्रभाव कम हो जाएगा। समशीतोष्ण जोन में भारत समेत अमेरिका, कनाडा, जापान, न्यूजीलैंड, पश्चिम एशिया तथा उत्तरी अफ्रीका आदि आते हैं। रिसर्च टीम का हिस्सा लेबनान स्थित अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ बेरूत के डॉ. हसन जराकेट कहते हैं, कोरोना महामारी अभी रहने वाली है। अभी सालभर और इसकी लहरें आ सकती हैं, लेकिन हर्ड इम्युनिटी विकसित होने के बाद इसका प्रभाव कम हो जाएगा। वहीं कतर यूनिवर्सिटी के डॉ. हादी यासीन कहते हैं, सांस की बीमारी फैलाने वाले कई वायरस का मौसमी पैटर्न होता है। खासकर समशीतोष्ण जलवायु वाले क्षेत्रों में। उदाहरण के लिए समशीतोष्ण जलवायु वाले क्षेत्रों में ठंड के दिनों में इन्फ्लूएंजा तथा अन्य वायरस अधिक सक्रिय होते हैं, जिनके कारण सर्दी–खांसी होती है। कोरोना से ठीक हुए 30.73 फीसदी लोगों में नहीं मिली एंटीबॉडी इस बीच, नई दिल्ली से खबर है कि कोरोना महामारी से ठीक होने के बाद कई मरीजों में ज्यादा एंटीबॉडी नहीं बन पा रही हैं। शरीर में एंटीबॉडी बनने के बाद वह कब तक बरकरार रहेगी, अब तक यह भी स्पष्ट नहीं है। दिल्ली में हुए दूसरे सीरो सर्वे में यह भी देखा गया कि संक्रमित होने के बाद बिल्कुल ठीक हो चुके 257 में से 30 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी नहीं पाई गई।

सीमा पर चीन की अजीब हरकत

चीन पिछले काफी समय से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय सैनिकों को भड़काने की लगातार कोशिश कर रहा है। उसने कई बार एलएसी को पार करने की भी कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हो पाया। अब भारतीय सैनिकों का ध्यान भटकाने के प्रयास में चीनी सेना फिंगर 4 पर लाउडस्पीकर लगाकर जोर–जोर से पंजाबी गाने बजा रही हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि यहां पंजाबी सैनिक तैनात हैं। चीनी सेना ने अब भारत के खिलाफ मनोवैज्ञानिक रणनीति अपनाई है। भारतीय सैनिकों का ध्यान भटकाने और उन्हें उलझन में डालने की रणनीति के तहत चीनी सेना अब पंजाबी गाने बजा रही है। यह जगह वही है, जहां कुछ दिन पूर्व धारदार हथियार लेकर चीनी सैनिक कब्जे की मंशा से आए थे और करीब 100 राउंड गोलियां भी चलाई थीं। हालांकि हमारे जवानों ने दबाव बनाकर उन्हें उल्टे पांव लौटने को मजबूर कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले 20 दिनों में इस क्षेत्र में तीन बार फायरिंग की घटनाएं हो चुकी हैं। पैंगोंग झील के दक्षिणी हिस्से में अगस्त महीने के अंत में चीन ने घुसपैठ की कोशिश की थी, जिसे नाकाम किया गया था। इसके बाद 7 सितंबर की रात को भी मुखपारी क्षेत्र में चीन ने घुसपैठ की कोशिश की, इस बार भी उसे खाली हाथ लौटना पड़ा था। चीनी सैनिकों ने 8 सितंबर को झील के उत्तरी हिस्से से घुसपैठ की कोशिश की, लेकिन भारतीय सैनिकों ने उन्हें वापस लौटाया था। भारत–चीन के बीच वार्ताएं जारी रहने की उम्मीद– सीमा पर हालात सामान्य करने के लिए भारत–चीन के विदेश मंत्रियों के बीच बनी सहमति को लागू करने के लिए दोनों देशों के बीच सैन्य व कूटनीतिक वार्ताओं का दौर जारी रहने की उम्मीद है। यह जानकारी बुधवार को केंद्र सरकार ने दी।

आयुष्मान भारत योजना से हुआ २.२४ लाख का कोरोना टेस्ट, २६००० को मिला मुफ्त इलाज

योजना के तहत गरीबों को सालाना पांच लाख रुपये तक मुफ्त और कैशलेस इलाज मुहैया कराया जाता है। कोरोना महामारी की सबसे ज्यादा कीमत गरीब वर्ग को चुकाना पड़ी है। काम धंधे ठप्प होने के बाद किसी पर बीमारी का हमला हो गया तो मुश्किलों का पहाड़ ही टूट पड़ा। ऐसे में सरकारी योजनाएं गरीबों का सहारा बनी है। ऐसी ही एक योजना है आयुष्मान भारत योजना, जिसने गरीबों का मुफ्त इलाज करने में अहम भूमिका निभाई है। इस योजना के तहत लगभग 29000 गरीबों को कोविड– 19 का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया गया। 2. 24 लाख लाभार्थियमुफ्त में ब्अपक19 का टेस्ट कराया गया। कोरोना मरीजों से संपर्क और परामर्श के लिए शुरू किए गए विभिन्न प्रयासों के तहत नेशनल हेल्थ अथारिटी (एनएचए) की ओर से 95 लाख से अधिक कॉल हैंडल की गईं। बता दें, एनएचए ही आयुष्मान भारत योजना का क्रियान्वयन करता है। जानकारी के अनुसार, 30 जून तक के उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि कुल 7.74 लाख ऐसे गरीब लाभार्थियों को फोन कर जानकारी ली गई कि उन्हें कोरोना से संबंधित कोइ लक्षण तो नहीं है। लक्षण होने की स्थिति में तत्काल उनका टेस्ट और फिर जरूरत के मुताबिक इलाज किया गया। एनएचए के अनुसार, 10 सितंबर तक आयुष्मान भारत के 2.24 लाख लाभार्थियों का कोरोना टेस्ट कराया गया है और उनमें से 28,882 कोरोना पाजिटिव मरीजों को इलाज मुहैया कराया गया है। 2 साल पहले शुरू की गई इस योजना के तहत गरीबों को सालाना पांच लाख रुपये तक मुफ्त और कैशलेस इलाज मुहैया कराया जाता है। आयुष्मान लाभार्थियों के अलावा कोरोना संकट के दौरान एनएचए ने कई और अहम जिम्मेदारियों को पूरा क किया। कोरोना के लिए राष्ट्रीय कोविड–19 हेल्पलाइन 1075 के प्रबंधन में एनएचए सहयोग कर रहा था। आठ सितंबर तक इस हेल्पलाइन पर 37.78 लाख कॉल आए। इस हेल्पलाइन पर हर दिन औसतन 10 से 15 हजार कॉल का जवाब दिया गया। इसके अलावा आरोग्य सेतु ऐप के तहत लोगों को टेली कंसल्टेंसी सुविधाएं देने की जिम्मेदारी भी एनएचए ने संभाल रखा थी। 23 अप्रैल से शुरू हो कर 20 जून तक चली टेली कंसल्टेंसी के दौरान 20 लाख कॉल आए, जिनमें 50 हजार लोगों को डॉक्टरी सलाह भी प्रदान की गई।

चीन के राष्ट्रपति की आलोचना कर रहा था व्यापारी, मिली यह सजा

यह बिजनेसमैन राष्ट्रपति ग्प श्रपदचपदह को कोरोना महामारी के मुद्दे पर आड़े हाथों ले रहा था। आखिर उसे दंड दिया गया।महामारी से निपटने को लेकन चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की आलोचना करने वाले चीन के एक बिजनेसमैन को भ्रष्टाचार के आरोप में 18 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। देश के नामी उद्यमी रेन झिकियांग को इससे पहले सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

बीजिंग नंबर–2 इंटरमीडिएट कोर्ट की वेबसाइट के मुताबिक सरकारी रियल एस्टेट कंपनी हुआयुआन ग्रुप के चेयरमैन रेन झिकियांग पर 16.5 मिलियन डॉलर (121 करोड़ रुपये से ज्यादा) अवैध रूप से लाभ प्राप्त करने का आरोप है। 11 सितंबर को इस मामले की सुनवाई पूरी हो गई थी, लेकिन कोर्ट ने फैसला मंगलवार को सुनाया। फैसले में कोर्ट ने कहा कि रेन झिकियांग ने अवैध रूप से प्राप्त धन पहले ही वापस कर दिया है औरउन्होंने स्वेच्छा से सभी आरोपस्वीकारकर लिए हैं।

मध्य प्रदेश में अब एक लाख से ज्यादा कोरोना संक्रमित, इतनी मौतें हो चुकीं

सितंबर पड़ रहा भारी, अब तक इस माह में 36,493 मामले सामने आए। मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा लगातार बढ़ते हुए 18 सितंबर को एक लाख तक पहुंच गया। इनमें अब तक 76,952 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 1,901 लोगों की मौत हुई है। स्वस्थ होने की दर 76 फीसद और संक्रमितों में मौत की दर 1.89 फीसद है। मतलब यह कि इस बीमारी की चपेट में आने वाले 98 फीसद लोग स्वस्थ हो रहे हैं। संक्रमण के लिहाज से सितंबर सभी महीने पर भारी पड़ा है। अगस्त के मुकाबले सितंबर में रोज दोगुना रोगी मिल रहे हैं। सितंबर में 36,493 लोग कोरोना की चपेट में आए हैं। मार्च से जुलाई तक 31,806 लोग संक्रमित हुए थे। अगस्त में 32,159 और सितंबर के 18 दिनों में ही इतने मरीज मिल गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने अनुमान लगाया है कि 31 अक्टूबर की स्थिति में प्रदेश में कुल संक्रमित 2 लाख 59 हजार हो जाएंगे, इसमें 55 हजार इलाज करवा रहे मरीज होंगे।

कोरोना वैक्सीन खरीदी को लेकर सम्पन्न राष्ट्रो मे प्रतिस्पर्धा ।

अधिकांश गरीब देशों को शुरुआती दौर में पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन के डोज उपलब्ध नहीं हो सकेंगी। दूसरे और तीसरे चरणकुल आबादी का 13 प्रतिशत ही है। वहीं 2.6 अरब डोज भारत, चीन, ब्राजील, इंडोनेशिया, बांग्लादेश और मेक्सिको जैसे विकासशील देशों को उपलब्ध कराई जाएंगी। बाकी बचा हिस्सा शेष देशों को नसीब होगा। इससे यह बात साबित होती है कि अधिकांश गरीब देशों को शुरुआती दौर में पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन के डोज उपलब्ध नहीं हो सकेंगी। इस संबंध में यूरोपीय यूनियन की चीफ उर्सला वॉन डेर लेयेनने चेताया है कि वैक्सीन के प्रति राष्ट्रवादी दृष्टिकोण हम लोगों को खतरे में डालसकता है। गरीब और कमजोर देशों को यदि वैक्सीन से महरूम रखा गया तो यह हम सभी लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है। उधर आक्सफैम अमेरिका के राबर्ट सिल्वरमैन ने कहा कि वैक्सीन की उपलब्धता इस बात पर निर्भर नहीं होनी वितरण की अपनी महत्वाकांक्षी योजना की रूपरेखा बताई। इसमें बताया गया कि किस तरह सभी लोगों तक वैक्सीन पहुंचाई जाएगी। वैक्सीन की अमेरिकी नागरिक को कोई कीमत नहीं चुकानी पड़ेगी। वैक्सीन वितरण में पेंटागनकी भूमिका होगी लेकिन टीकाकरण नागरिक स्वास्थ्य कर्मी ही करेंगे। स्वास्थ्य एवं जन सेवा सचिव एलेक्स अजर ने बताया कि हम लोग यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सभी अमेरिकी जल्द से जल्द यह वैक्सीन हासिल करें और पूरे आत्मविश्वास से उसकी डोज का इस्तेमाल करें। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी नागरिकों को पता होना चाहिए कि वैक्सीन को विकसित करने की प्रक्रिया पूरी तरह विज्ञान और डाटा पर आधारित है। चाहिए कि आप कहां रहते हैं और आपके पास कितना पैसा है। दुनिया के किसी भी कोने में कोरोना का वही खतरा है जो विकसित देशों में है। अपने नागरिकों को मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध कराएगा अमेरिका कोरोना से निपटने के लिए ट्रंप प्रशासन जनवरी से निशुल्क वैक्सीन उपलब्ध करा सकता है। इस संबंध में अमेरिकी सरकार ने बुधवार को अपनी योजना की जानकारी दी। अमेरिका के स्वास्थ्य एवं जनसेवा विभाग और रक्षा विभाग ने संयुक्त रूप से दो दस्तावेज जारी कर कोरोना वैक्सीन

स्वत्वाधिकारी , मुद्रक , प्रकाशक , सम्पादक अविनाश जाजपुरा के द्वारा यश प्रिन्टीगं प्रेस स्कीम नम्बर ३६ ए कलेक्टर कार्यालय के सामने से मुद्रीत एवं कास्मों स्कुल के पास इन्द्रा नगर नीमच से प्रकाशित / संपर्क 9893796737 (सभी विवादो को न्यायिक क्षैत्र नीमच रहेगा।)